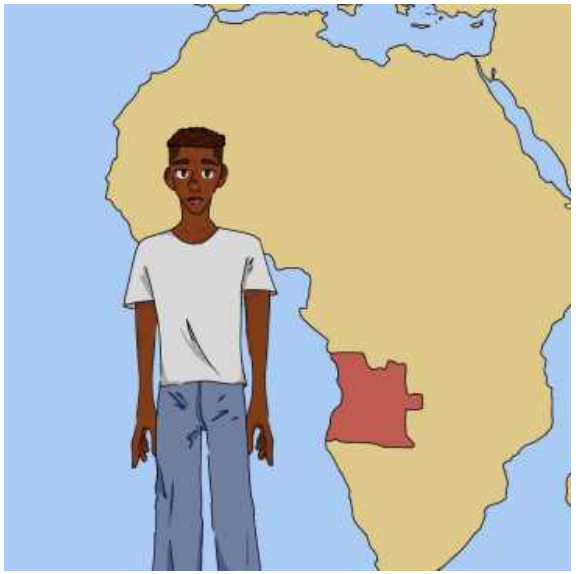

सचाई के लिए आवाज़ उठाना

LIDA Portugal
Sunniva Høiby-Øiset
Pratibha Singh

4
हिन्दी hi

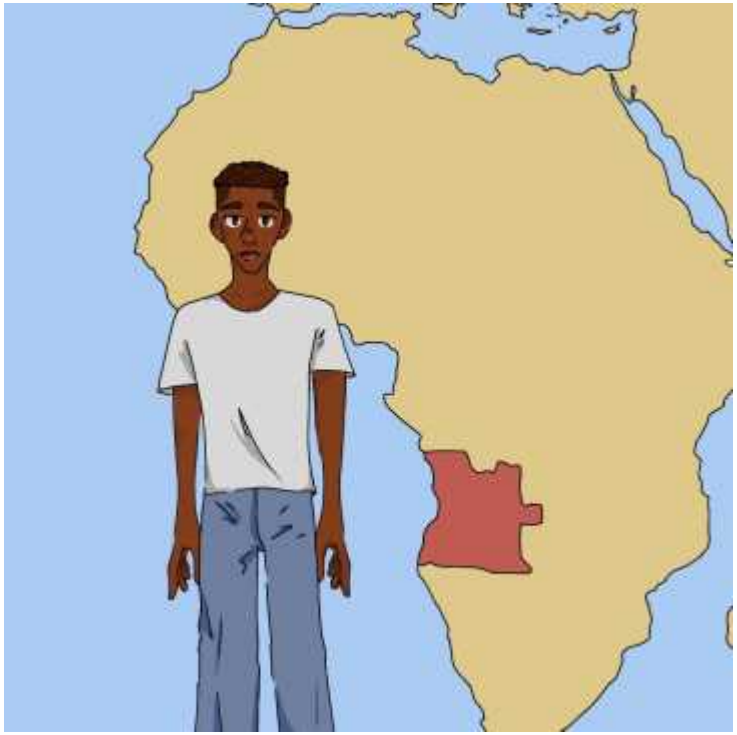

एडसन का जन्म अंगोला के ठीक स्वतंत्र होने के बाद वहाँ हुआ था। वह बहुत लंबा लड़का था। अपनी लंबाई के कारण वह सबसे अलग दिखता था। जो लोग गृह युद्ध में सैनिकों के रूप में लड़ने के लिए बच्चों को हथियार दे रहे थे, वे उसके जैसे लड़कों की तलाश में थे।

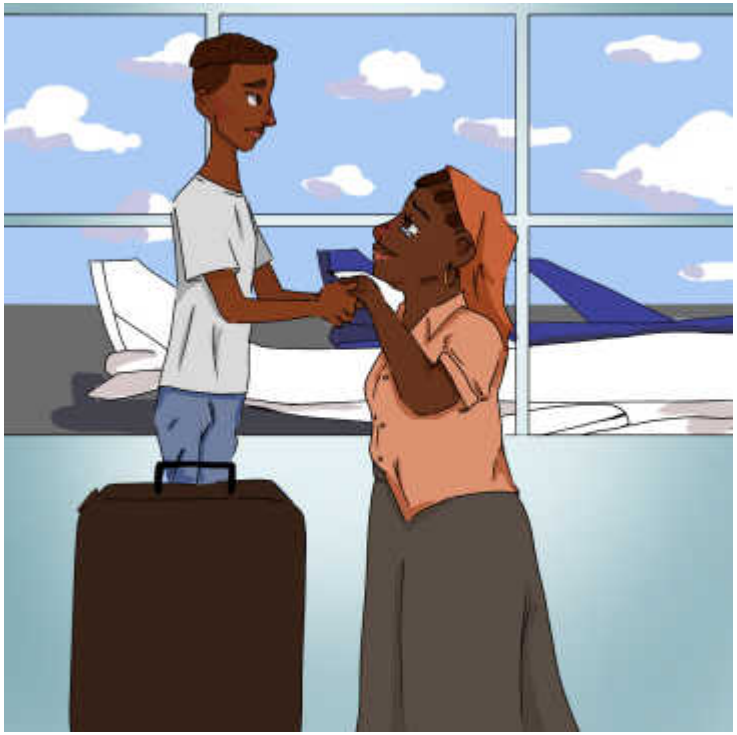

उसकी माँ को डर था कि वे उसे ले जाएँगे, इसलिए उसने उसे एक चाची के साथ पुर्तगाल में रहने के लिए भेजने का फ़ैसला किया। उसने सोचा कि वह वहाँ सुरक्षित रहेगा।

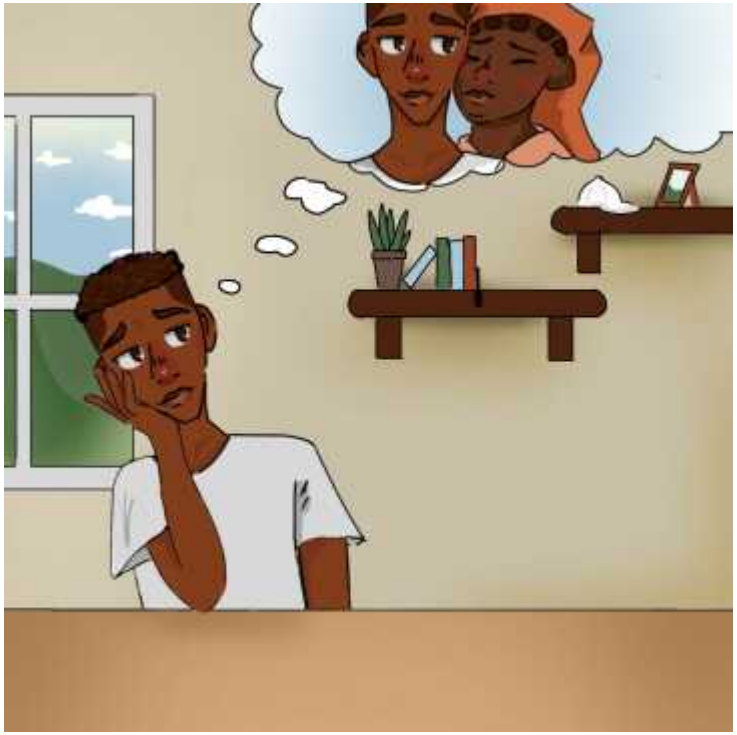

एडसन के लिए वहाँ एक नई शुरुआत करना बहुत मुश्किल था क्योंकि वह अपने घर का गर्म मौसम, पारंपरिक खाना और सबसे ज़्यादा अपनी माँ के लाड प्यार को बहुत याद करता था।

वह अच्छे से पुर्तगाली नहीं बोल पाता था और उसे अपनी कक्षाओं और अपने सहपाठियों की बातचीत को समझना बहुत मुश्किल लगता था। उसे लगा कि पुर्तगाल आना एक अच्छा विचार है भी या नहीं।

एक दिन एक शिक्षक ने गौर किया कि वह बास्केटबॉल में अच्छा है। वह एक बास्केटबॉल टीम में शामिल हो गया और उसे उसमें काफ़ी कामयाबी मिली। वह स्कूल में लोकप्रिय हो गया और उसने दोस्त बनाए। अब वह पहले से अधिक आत्मविश्वासी है।

अब जब वह एक वयस्क हो चुका है, एडसन उन शरणार्थी बच्चों और अन्य लोगों को प्रशिक्षित करता है जिन्हें समाज से बाहर किए जाने का ख़तरा है। एक बार, उसकी लंबाई ने उसके लिए बाल सैनिक बनने का ख़तरा पैदा कर दिया था। अब उसकी यही लंबाई उसे दूसरों को सुरक्षित महसूस करवाने की ताकत देती है।

LIDA Stories

lidastories.net

सचाई के लिए आवाज़ उठाना

LIDA Portugal
Sunniva Høiby-Øiset
Pratibha Singh

CC BY